CARMEL COLLEGE OF ARTS, SCIENCE AND COMMERCE FOR WOMENS

SEMESTER END EXAMINATION, JULY 2021

SEMESTER: IV

SUBJECT: HINDI **PAPER NAME & CODE: Aadhunik Hindi Gadhya Sahitya : Parichayatmak Adhyayan (HNC 104)**

TOTAL MARKS: 40 **DATE: 12/07/2021** **DURATION: 2 HOURS**

प्रश्न 1 अ) निम्नलिखित प्रश्नों में से <u>किन्हीं पाँच</u> के लघु उत्तर लिखिए। (10)

1. 'प्रेमचंद कहानी विधा के आधार स्तंभ है।' स्पष्ट कीजिए।
2. जयशंकर प्रसाद के नाट्य लेखन की विशेषताओं को उल्लेखित कीजिए।
3. भारतेंदुयुगीन किन्हीं दो निबंधकारों के नाम बताते हुए उनके योगदान पर प्रकाश डालिए।
4. तिलस्मी अय्यारी उपन्यास से आपका क्या अभिप्राय है? कोई दो विशेषताएँ बताइए।
5. 'मैं हार गई' कहानी के आधार पर आजकल के नेताओं के चरित्र को रेखांकित कीजिए।
6. 'मनुष्य के रूप' उपन्यास की मूल संवेदना पर प्रकाश डालिए।
7. 'इंस्पेक्टर मातादीन चाँद पर' निबंध की प्रासंगिकता पर अपने विचार स्पष्ट कीजिए।
8. 'इतिहास और कल्पना कोणार्क नाटक के प्राण है।' इससे आप कहाँ तक सहमत है?

प्रश्न 2 अ) निम्नलिखित प्रश्नों में से <u>किन्हीं छः</u> के उत्तर लिखिए। (30)

1. 'प्रेमचंदोत्तर युगीन कथाकारों में मनोविश्लेषणात्मक प्रवृत्ति की प्रधानता है।' इस कथन को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।
2. स्वतंत्रता प्राप्ति के उपरांत हिंदी नाटक साहित्य की प्रवृत्तियों को रेखांकित कीजिए।
3. 'आचार्य शुक्ल के आने से निबंधों को एक नया आयाम और एक नई दिशा प्राप्त हुई।' इस कथन को स्पष्ट कीजिए।
4. प्रेमचंदयुगीन उपन्यासों की महत्ता को रेखांकित करते हुए समकालीन रचनाकारों पर चर्चा कीजिए।

5. 'कोणार्क' नाटक के किस पात्र ने आपको सबसे ज्यादा प्रभावित किया और क्यों? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

6. 'उत्साह एवं 'दाँत' निबंधों के माध्यम से आपको कौनसी शिक्षा प्राप्त हुई? आप इसे किस प्रकार जीवन में आत्मसात करोगे?

7. निम्नलिखित अवतरण की संदर्भ सहित व्याख्या प्रस्तुत कीजिए।

"विश्वास? कदापि नहीं, बुद्धगुप्त! जब मैं अपने हृदय पर विश्वास नहीं कर सकी, उसी ने धोखा दिया, तब मैं कैसे कहूँ?"

8. निम्नलिखित अवतरण की संदर्भ सहित व्याख्या प्रस्तुत कीजिए।

"मैं रुपये का क्या करूँगा? मेरा जीवन बहुत संक्षिप्त और महत्वाकांक्षी है। मैं तो केवल चाहता हूँ, दूसरों के साथ अन्याय न हो। अपने निर्वाह के लिए मैं पर्याप्त कमा लेता हूँ। क्यों व्यर्थ जमा करूँ?"